



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



**Cadaver Organ Donor**

**Lt. Palak Tejas Chhampaneri**

**Donated She: Kidney, Liver & Corneas**

**Date:- 21/09/2022**

**DONATE LIFE™**  
an initiative for organ donation

**" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."**

## किरण अस्पताल की ओर से सूरत से डोनेट लाइफ के जरिए एक और अंगदान

27 वर्षीय पलक तेजस चंपानेरी के गुर्दे, कलेजा और आंखें दान की, पांच लोगों को नया जीवन दिया

लोकतेज संवाददाता

सूरत। कलसाड के नंदनवन पार्क, ननकवाड़ा, हलार रोड, सामने रहने वाली और मॉडर्न गवर्नमेंट स्कूल, धरमपुर, खोटी में पलक एक यात्रा शिक्षक के रूप में कार्यरत थी। 11 सितंबर को रात 11:30 बजे सिर दर्द और उल्टी होने पर उन्हें तुरंत कलसाड के कस्तूरबा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सीटी स्कैन पर ब्रेन हेमरेज का निदान किया गया था। आगे के इलाज के लिए परिजन ने 12 सितंबर को न्यूरोसर्जन डॉ. भीमिक ठाकोर, डॉ. धीरेन हाड्य के इलाज में सूरत के किरण अस्पताल में भर्ती कराया। सीटी एंजियोग्राफी की गई और तो यह पता चला कि मस्तिष्क की एक छोटी शिर के फटने और मस्तिष्क में सूजन के कारण मस्तिष्क में रक्त का थक्का जम गया था। 13 सितंबर को न्यूरोसर्जन डॉ. भीमिक ठाकोर ने कुंडलित कर रक्त प्रवाह को रोक दिया। 20 सितंबर को न्यूरोसर्जन डॉ.



भीमिक ठाकोर, न्यूरोफिजिशियन डॉ. हिना फल्गू, इंटींसिविस्ट डॉ. दर्शन त्रिवेदी और चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहुल पांचाल ने पलक को ब्रांडेड घोषित किया। चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहुल पांचाल ने डोनेट लाइफ के संस्थापक-अध्यक्ष श्री नीलेश मंडलेवाला से संपर्क किया और

पलक के ब्रेन डेड होने की जानकारी दी। अस्पताल पहुंची डोनेट लाइफ की टीम डॉ. मेहुल पांचाल ने पलक के पति तेजस और मां पद्मावेन राजेंद्रभाई राठौड़ के साथ अंगदान की पूरी प्रक्रिया और परिवार के अन्य सदस्यों को इसके महत्व के बारे में बताया। पलक के पति तेजस ने कहा कि

हम अक्सर अखबारों में अंगदान की खबरें पढ़ते रहते थे, मेरी पत्नी पलक भी कहती थी कि यह एक दिव्य कार्य है, सभी को अपने ब्रेन डेड रिश्तेदारों के अंगों का दान करना चाहिए ताकि अंग खराब होने वाले रोगियों को एक नया मिल सके। मेरी पत्नी पलक ब्रेन डेड है और उसकी मृत्यु निकट है,

अधिक से अधिक अंग विकलता रोगियों को अंग दान करके नौ जीवन दें, जबकि उनके शरीर का अंतिम संस्कार होने वाला है। पलक की मां पद्मावेन, जो थ्रीएपीएस संगठन से जुड़ी हैं, ने भी कहा कि यह एक ईश्वरीय कार्य है। अंगदान जीवनदान है। पलक के पति तेजस सेलवास में आईपीसीए लेबोरेटरीज में फार्मास्युटिकल इंजीनियर के तौर पर काम करते हैं।

नीलेश मंडलेवाला ने अंगदान के लिए परिवार की सहमति मिलने के बाद स्टेट ऑर्गेन एंड टिशू ट्रान्सप्लांट ऑर्गेनाइजेशन से संपर्क किया और किडनी और लीवर डोनेशन के लिए कहा। SOTTO द्वारा सूरत के किरण अस्पताल को किडनी और लीवर आवंटित किए गए। डॉ. कल्पेश गोहिल, डॉ. किमेश घेवरिया, डॉ. प्रमोद पटेल, डॉ. मुकेश अहिर और किरण अस्पताल की उनकी टीम ने डॉ. धनेश धनानी, डॉ. गौरव चौबल और उनकी टीम डॉ. संकेत शाह ने नेत्रदान स्वीकार किया।

## पलक के अंगदान से पांच लोगों को नया जीवन मिला, मानवता की खुशबू बिखेरते हुए समाज को एक नई दिशा दिखायी

सूरत में डोनेट लाइफ के जरिए किरण अस्पताल से एक और अंगदान किया गया

सूरत। हिंदू गोडी समाज के 27 वर्षीय पलक तेजस चामपानेरी के परिवार ने डोनेट लाइफ के माध्यम से अपने रिश्तेदार की किडनी, लीवर और आंखें दान देकर पांच लोगों को जीवन दिला, मानवता की खुशबू बिखेरते हुए समाज को एक नई दिशा दिखायी। मार्च नंबर 1587, नंदनवन पार्क, नानकवाड़ा, हलार रोड, कलसाड के सामने रहने वाली और मॉडर्न गवर्नमेंट स्कूल, धरमपुर, खोटी में एक यात्रा शिक्षक के रूप में कार्यरत पलक को 11 सितंबर को रात 11:30 बजे सिर दर्द और उल्टी होने पर उन्हें तुरंत कलसाड के कस्तूरबा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। निदान के लिए सीटी स्कैन पर ब्रेन हेमरेज का



निदान किया गया था। आगे के इलाज के लिए परिजन ने 12 सितंबर को न्यूरोसर्जन डॉ. भीमिक ठाकोर, डॉ. धीरेन हाड्य के इलाज में सूरत के किरण अस्पताल में भर्ती कराया। निदान के लिए एक सीटी एंजियोग्राफी की गई और यह पता चला कि मस्तिष्क की एक छोटी शिर के फटने और मस्तिष्क में सूजन के कारण मस्तिष्क में रक्त का थक्का जम गया था। 13 सितंबर को न्यूरोसर्जन डॉ. भीमिक ठाकोर ने कुंडलित कर रक्त प्रवाह को रोक दिया। 20 सितंबर को न्यूरोसर्जन डॉ. भीमिक ठाकोर,

न्यूरोफिजिशियन डॉ. हिना फल्गू, इंटींसिविस्ट डॉ. दर्शन त्रिवेदी और चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहुल पांचाल ने पलक को ब्रांडेड घोषित किया। चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहुल पांचाल ने डोनेट लाइफ के संस्थापक-अध्यक्ष श्री नीलेश मंडलेवाला से संपर्क किया और पलक के ब्रेन डेड होने की जानकारी दी। पलक के पति तेजस ने कहा कि हम अक्सर अखबारों में अंगदान की खबरें पढ़ते रहते थे, मेरी पत्नी पलक भी कहती थी कि यह एक दिव्य कार्य है, सभी को अपने ब्रेन डेड रिश्तेदारों के अंगों का दान करना चाहिए ताकि अंग खराब होने वाले रोगियों को एक नया जीवन मिल सके। मेरी पत्नी पलक ब्रेन डेड है और उसकी मृत्यु निकट है, अधिक से अधिक अंग विकलता रोगियों को अंग दान करके नौ जीवन दें, जबकि उनके शरीर का अंतिम संस्कार होने वाला है। पलक की मां पद्मावेन, जो थ्रीएपीएस संगठन

से जुड़ी हैं, ने भी कहा कि यह एक ईश्वरीय कार्य है। अंगदान जीवनदान है। पलक के पति तेजस सेलवास में आईपीसीए लेबोरेटरीज में फार्मास्युटिकल इंजीनियर के तौर पर काम करते हैं। नीलेश मंडलेवाला ने अंगदान के लिए परिवार की सहमति मिलने के बाद स्टेट ऑर्गेन एंड टिशू ट्रान्सप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (SOTTO) से संपर्क किया और किडनी और लीवर डोनेशन के लिए कहा। SOTTO द्वारा सूरत के किरण अस्पताल को किडनी और लीवर आवंटित किए गए। डॉ. कल्पेश गोहिल, डॉ. किमेश घेवरिया, डॉ. प्रमोद पटेल, डॉ. मुकेश अहिर और किरण अस्पताल की उनकी टीम ने डॉ. धनेश धनानी, डॉ. गौरव चौबल और उनकी टीम डॉ. संकेत शाह ने नेत्रदान स्वीकार किया। दान की गई एक किडनी मूल निवासी 43 वर्षीय व्यक्ति में, दूसरी किडनी सूरत निवासी 25 वर्षीय व्यक्ति में और बाइसेरा निवासी 65 वर्षीय व्यक्ति में लीवर ट्रान्सप्लांट किया गया।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लीवर, हृदयदान..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

## ब्रेनडेड होने पर परिवार ने किया निर्णय वलसाड की शिक्षिका के अंगदान से पांच को नई जिंदगी



पत्रिका  
ह्यूमन  
एगल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com

सूरत. वलसाड निवासी सरकारी स्कूल की शिक्षिका को ब्रेन हैमरेज होने के बाद चिकित्सकों ने सूरत के किरण अस्पताल में ब्रेनडेड घोषित कर दिया। परिजनों के अंगदान करने से पांच जनों को नया जीवन मिला है।

वलसाड नानकवाडा हालर रोड नंदनवन पार्क के सामने रहने वाली पलक तेजस चांपानेरी (27) धमरपुर में मॉडर्न सरकारी स्कूल में शिक्षिका थी। उनको 11 सितंबर को रात 11.30 बजे सिर दर्द के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सीटी स्कैन रिपोर्ट में ब्रेन हैमरेज होने की पुष्टि हुई। चिकित्सकों ने इलाज के दौरान 20 सितंबर को उन्हें ब्रेनडेड घोषित किया। सूचना मिलने पर डोनेट लाइफ प्रमुख निलेश मांडलेवाला पहुंच गए और परिवार को अंगदान के बारे में समझाया। परिजनों से सहमति मिलने के बाद स्टेट ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन से सम्पर्क कर किडनी व लीवर दान मिलने की जानकारी दी।

एसओटीटीओ ने किडनी और लीवर सूरत के किरण अस्पताल को दान किए। दान में मिली दोनों किडनी सूरत के दो युवकों, लीवर वडोदरा निवासी व्यक्ति में ट्रांसप्लांट किया गया। चक्षुओं का दान दो मरीजों में किया गया है। पांचों अंगों का ट्रांसप्लांट सूरत के किरण अस्पताल में किया गया।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लीवर, हृदयदान..."

## અંગદાતા પરિવારને નતમસ્તક વંદન... પ્રણામ... સલામ... સુરતથી ડોનેટ લાઈફના માધ્યમથી વધુ એક અંગદાન કિરણ હોસ્પિટલથી કરાવવામાં આવ્યું

(બુનિયાદન્યુઝ, પાટણ)

ઘર નં. ૧૫૮૭, નંદનવન પાર્કની સામે, નાનકવાડા, હાલર રોડ, વલસાડ મુકામે રહેતી અને ઘરમપુર માં આવેલ મોડલ સરકારી શાળામાં પ્રવાસી શિક્ષિકા તરીકે ફરજ બજાવતી પલકને તા. ૧૧ સપ્ટેમ્બરના રોજ રાત્રે ૧૧:૩૦ કલાકે માથામાં દુ:ખાવો અને ઉલ્ટીઓ થતા તેને તાત્કાલિક વલસાડમાં આવેલ કસ્તુરબા હોસ્પિટલમાં દાખલ કરવામાં આવી. નિદાન માટે ઈન્ક્યુબેશન કરાવતા બેઈન હેમરેજ હોવાનું નિદાન થયું હતું. વધુ સારવાર માટે પરિવારજનોએ તેને ૧૨ સપ્ટેમ્બરના રોજ સુરતમાં આવેલ કિરણ હોસ્પિટલમાં ન્યુરોસર્જન ડો.ભોમિક ઠાકોર, ડો.ઈરિન ઠાકોરની સારવાર હેઠળ દાખલ કરી. નિદાન માટે ઈન્ક્યુબેશન કરાવતા નાના મગજની નસ ફાટી જવાને કારણે મગજમાં લોહીનો ગુટ્ટો હોવાનું તેમજ મગજમાં સોજો હોવાનું નિદાન થયું હતું. તા. ૧૩ સપ્ટેમ્બરના રોજ ન્યુરોસર્જન ડો.ભોમિક ઠાકોરે કોઈલેઈન કરી લોહીનો પ્રવાહ બંધ કર્યો હતો.

**હિંદુ મોથી સમાજની ૨૭ વર્ષથી વલક તેજસ યાંપાનેરીના પરિવારે ડોનેટ લાઈફના માધ્યમથી પોતાના સ્વજનના કિડની, લિવર અને ચસુઓનું દાન કરી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન બક્ષી, માનવતાની મહેંક ફેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી : ટેક્સટાઈલ અને ડાયમંડ સીટી તરીકે ઓળખાતુ સુરત શહેર હવે દેશમાં ઓર્ગન ડોનેર સીટી તરીકે ખ્યાતી પામી રહ્યું છે**

તા.૨૦ સપ્ટેમ્બરના રોજ ન્યુરોસર્જન ડો.ભોમિક ઠાકોર, ન્યુરોફીઝિયોલોજી ડો.હીના ફળદુ, ઈન્ટેન્ટસીવીસ્ટ ડો. દર્શન ત્રિવેદી અને મેડિકલ ડાયરેક્ટર ડો.મેહુલ પંચાલે પલકને બેનડેડ જાહેર કરી. મેડિકલ ડાયરેક્ટર ડો.મેહુલ પંચાલે ડોનેટ લાઈફના સ્થાપક-પ્રમુખ શ્રી નિલેશ માંડલેવાલાનો સંપર્ક કરી પલકના બેઈનડેડ અંગેની જાણકારી આપી. ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી ડો. મેહુલ પંચાલ સાથે રહી પલકના પતિ તેજસ અને માતા પત્રાબેન રાજેન્દ્રભાઈ રાઠોડ તેમજ પરિવારના અન્ય સભ્યોને અંગદાનની સમગ્ર પ્રક્રિયા અને તેનું મહત્વ સમજાવ્યું.

પલકના પતિ તેજસે જણાવ્યું કે અમે વારંવાર વર્તમાનપત્રોમાં અંગદાનના સમાચારો વાંચતા હતા ત્યારે મારી પત્ની પલક પણ કહેતી હતી કે આ એક ઈશ્વરીય કાર્ય છે, દરેક વ્યક્તિએ પોતાના બેઈનડેડ સ્વજનના અંગોનું દાન કરવું જ જોઈએ જેથી ઓર્ગન નિષ્ફળતાના દર્દીઓને નવું જીવન મળી શકે. મારી પત્ની પલક બેઈનડેડ છે અને તેનું મૃત્યુ નિશ્ચિત જ છે, શરીર બળીને રાખ જ થઈ જવાનું છે ત્યારે તેના અંગોનું દાન કરાવીને વધુ ને વધુ ઓર્ગન નિષ્ફળતાના દર્દીઓને નવ જીવન આપો. પલકના મમ્મી પત્રાબેન ઈચ્છાજ સંસ્થા સાથે જોડાયેલા છે તેઓએ પણ જણાવ્યું કે આ એક ઈશ્વરીય કાર્ય છે. અંગદાન જીવનદાન છે. પલકનો પતિ તેજસ સેલવાસમાં આવેલ ઈન્ક્યુબેશન કોમ્પ્યુટરિસ એન્જીનીયર તરીકે ફરજ બજાવે છે. પરિવારજનો તરફથી અંગદાનની સંમતિ મળતા નિલેશ



જણાવ્યું. સોટો દ્વારા કિડની અને લિવર સુરતની કિરણ હોસ્પિટલને ફાળવવામાં આવ્યાં. કિરણ હોસ્પિટલના ડો.કલ્પેશ ગોહિલ, ડો.જીગ્નેશ ઘેવરીયા, ડો.પ્રમોદ પટેલ, ડો.મુકેશ આહીર અને તેમની ટીમે કિડનીનું દાન, લિવરનું દાન ડો. ઘનેશ ઘનાણી, ડો.ગૌરવ ચૌબલ અને તેમની ટીમે, ચસુઓનું દાન ડો.સંકીત રાઠે સ્વીકાર્યું.

દાનમાં મેળવવામાં આવેલી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના રહેવાસી ૪૩ વર્ષથી વ્યક્તિમાં, બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના રહેવાસી ૩૫ વર્ષથી વ્યક્તિમાં, લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ વડોદરાના રહેવાસી ૬૫ વર્ષથી વ્યક્તિમાં સુરતની કિરણ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે. દાનમાં મેળવવામાં આવેલી ચસુઓનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ બે જસ્વરિયાતમંદ દર્દીમાં સુરતની કિરણ હોસ્પિટલમાં ડો. સંકીત રાઠે દ્વારા કરવામાં આવશે.

ડોનેટ લાઈફ તેમજ સમગ્ર સમાજ

અંગદાન કરાવવાની સમગ્ર પ્રક્રિયા ડોનેટ લાઈફના સ્થાપક-પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાના માર્ગદર્શન હેઠળ કરવામાં આવી હતી, જેમાં પલકના પતિ તેજસ, સસરા ઈન્દ્રવદનભાઈ, સાસુ લીલાબેન, માતા પત્રાબેન, પિતા રાજેન્દ્રભાઈ તેમજ પરિવારના અન્ય સભ્યો, ન્યુરોસર્જન ડો.ભોમિક ઠાકોર, ન્યુરોફીઝિયોલોજી ડો.હીના ફળદુ, ઈન્ટેન્ટસીવીસ્ટ ડો. દર્શન ત્રિવેદી, મેડિકલ ડાયરેક્ટર ડો.મેહુલ પંચાલ, ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કોઓર્ડિનેટર ડો.અલ્પા પટેલ, આસીસ્ટન્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કોઓર્ડિનેટર સંજય ટાંચક, કિરણ હોસ્પિટલના સંચાલકો અને સ્ટાફ, ડોનેટ લાઈફના પ્રોગ્રામ ઓફિસર સુભાષ જોષાણીનો સહકાર સાંપડ્યો હતો. સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાત માંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા કુલ ૧૦૨૮ અંગો અને ટીસ્યુઓનું દાન કરાવવામાં આવ્યું છે જેમાં ૪૩૨ કિડની, ૧૮૪ લિવર,

## વલસાડની 'પલક'ના અંગદાનથી પ વ્યક્તિના જીવનમાં 'અજવાળું'

। સુરત ।

વલસાડની બ્રેઈનડેડ શિક્ષિકાનાં અંગોનું દાન કરી પરિવારે સમાજને ઉત્તમ દાખલો પૂરો પાડ્યો છે. શિક્ષિકાની બંને કિડની, લિવર અને બંને આંખોના દાનથી પાંચ વ્યક્તિના અંધકારમય જીવનમાં અજવાળું પાથરાયું છે.

વલસાડ, નાનકવાડા ખાતે હાલર રોડ સ્થિત નંદનવન પાર્ક સામે રહેતી પલક તેજસ ચાંપાનેરી (ઉં.વ.૨૭) સરકારી શાળામાં પ્રવાસી શિક્ષિકા તરીકે ફરજ બજાવતી હતી. ગત તા. ૧૧મીએ સવારે પલકને અચાનક માથામાં દુઃખાવો શરૂ થવા સાથે ઊલટીઓ થઈ હતી. જેને લીધે તેણીને વલસાડની હોસ્પિટલમાં ખસેડાઈ હતી. જ્યાં સીટીસ્કેન સહિતના રિપોર્ટ કરાવાતા પલકને બ્રેઈન હેમરેજ થયાનું નિદાન થયું હતું. નિષ્ણાત તબીબોએ કોઈલિંગ કરી લોહીનો પ્રવાહ બંધ કર્યો હતો. અંતે મંગળવારે તબીબોની ટીમે



પલકને બ્રેઈનડેડ ઘોષિત કરી હતી. બીજી બાજુ ડોનેટ લાઈફની ટીમે પલકના પરિવારને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવતા તેઓ અંગદાન કરવા સહમત થયા હતા. ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાએ જણાવ્યું હતું કે, દાનમાં મળેલી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના ૪૩ વર્ષીય પુરુષ અને બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના ૩૫ વર્ષીય પુરુષમાં કરાયું હતું. લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ વડોદરાના ૬૫ વર્ષીય આદેડમાં સુરતની હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે, જ્યારે ચક્ષુઓનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ બે જરૂરિયાતમંદ દર્દીમાં કરાયું હતું.

## વલસાડની શિક્ષિકાના અંગદાન થકી પાંચ વ્યક્તિઓને નવું જીવન મળશે

**ડોનેટ લાઈફ મારફતે  
વધુ એક અંગદાન કિસ્સા  
હોસ્પિટલને કરાયું**

**શિક્ષિકા પલક**  
ચાંપાનેરીયાની કીડની,  
લિવર અને રક્તઓનું દાન



સુરત : વલસાડના હાલર રોડ નાનકવાડાની સામે રહેતી અને ઘરમપુરમાં મોડર્ન સરકારી શાળામાં પ્રવાસી શિક્ષિકા પલક તેજશભાઈ ચાંપાનેરીયા (ઉં.વ.27)ને ગત ૧૧ સપ્ટેમ્બરના રોજ રાત્રે માથામાં દુ:ખાવો અને ઉલ્ટીઓ થતા તેને તાત્કાલિક વલસાડની કસ્તુરબા હોસ્પિટલમાં દાખલ કરવામાં આવી હતી. જ્યાં ડૉ. રહેન કરાવતા ષેઈન હેમરેજ હોવાનું સામે આવ્યું હતું. તેમને વધુ સારવાર માટે પરિવારજનો ગત ૧૨ સપ્ટેમ્બરના

રોજ સુરતમાં આવેલ કિરણ હોસ્પિટલમાં ન્યુરોસર્જન ડો.ભીમિક ઠાકોર, ડો.દીપેન ઠાકોરની સારવાર હેઠળ દાખલ કરી. નિદાન માટે ડૉ. એન્થો કરાવતા નાના મગજની નસ ફાટી જવાને કારણે મગજમાં લોહીનો ગહો હોવાનું તેમજ મગજમાં સોજો હોવાનું નિદાન થયું હતું. તા. ૧૩ સપ્ટેમ્બરના રોજ ન્યુરોસર્જન ડો.ભીમિક ઠાકોરે કોઈલીંગ કરી લોહીનો પ્રવાહ બંધ કર્યો હતો. ત્યારબાદ તા.૨૦ સપ્ટેમ્બરના રોજ ન્યુરોસર્જન ડો.ભીમિક

ઠાકોર, ન્યુરોફીઝિયલ ડો.હીના ફળદુ, ઇન્ટેન્સીવિસ્ટ ડો. હર્શન શિવેદી અને મેડિકલ ડાયરેક્ટર ડો.મેહુલ પંચાલે પલકને બેનડેડ જાહેર કરતા મેડિકલ ડાયરેક્ટર ડો.મેહુલ પંચાલે ડોનેટ લાઈફની ટીમે પલકના પતિ તેજસ અને માતા પદ્માબેન રાજેન્દ્રભાઈ રાહડે તેમજ પરિવારના અન્ય સભ્યોને અંગદાનની સમગ્ર પ્રક્રિયા અને તેનું મહત્વ સમજાવ્યું હતું. પલકના પતિ તેજસ સહિતના પરિવારજનો અંગદાન માટે મંજૂરી આપતા ચક્ષુઓનું દાન ડો.સંકીત શાહે સ્વીકાર્યું હતું. જેમાં ચોક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના રહેવાસી ૪૩ વર્ષીય વ્યક્તિમાં, બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના રહેવાસી ૩૫ વર્ષીય વ્યક્તિમાં, લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ વડોદરાના રહેવાસી ૬૫ વર્ષીય વ્યક્તિમાં સુરતની કિરણ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે.

## 10 દિવસ સુધી સારવાર મેળવી આખરે બ્રેન ડેડ જાહેર કરાયા હતા વલસાડની બ્રેન ડેડ શિક્ષિકાનાં અંગોનું દાન, 5ને નવું જીવન કિડની સુરતનાં 2 યુવકને મળી, લિવર વડોદરાના વૃદ્ધને અપાયું

હેલ્થરિપોર્ટર | સુરત

બ્રેઈનહેમરેજ બાદ બ્રેન ડેડ થયેલી વલસાડની યુવા શિક્ષિકાના અંગોનું પરિવારે દાન કરી 5ને નવું જીવન આપ્યું છે. શિક્ષિકાની બન્ને કિડનીનું સુરતના બે યુવકોમાં અને લિવરનું વડોદરાના વૃદ્ધમાં સુરતની કિરણ હોસ્પિટલમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું છે. બન્ને ચક્ષુઓનું દાન પણ કિરણ હોસ્પિટલે સ્વીકાર્યું છે. વલસાડ-નાનકાવાડા નંદનવન પાર્કની સામે રહેતા પલક તેજસભાઈ



વડોદરાના વૃદ્ધનું કિરણ હોસ્પિટલમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ દાનમાં મેળવવામાં આવેલી એક કિડનીનું સુરતના 43 વર્ષીય વ્યક્તિમાં બીજી કિડનીનું સુરતના 35 વર્ષીય વ્યક્તિમાં, લિવરનું વડોદરાના 65 વર્ષીય વ્યક્તિમાં સુરતની કિરણ હોસ્પિટલમાં તબીબો દ્વારા ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું છે. તેમજ દાનમાં મેળવવામાં આવેલી ચક્ષુઓનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ બે જરૂરીયાતમંદ દર્દીઓમાં કિરણ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવશે. ચાંપાનેરી (27) ઘરમપુરની મોડર્ન સરકારી સ્કૂલમાં પ્રવાસી શિક્ષિકા હતા. 11મીએ રાત્રે તેમને માથામાં દુ:ખાવો અને ઉલ્ટીઓ થતાં વલસાડની ખાનગી હોસ્પિટલમાં ખસેડાયા હતા. જ્યાં બ્રેઈન હેમરેજ નિદાન થયું હતું. જેથી 12મીએ તેમને સુરત કિરણ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા. જ્યાં નાના મગજની નસ ફાટી જતાં લોહીનો ગહો હોવાનું નિદાન થયું હતું. બાદમાં 20મીએ બ્રેન ડેડ જાહેર કરાયા હતા. ડોનેટલાઈફની ટીમે પરિવારની સંમતિ બાદ સોંતોનો સંપર્ક કરી કિડની અને લિવરના દાન ઉપલબ્ધ કરાવ્યું હતું.

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેન ડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયદાન..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

## **DONATE LIFE**

### **CADAVER ORGAN DONATION FIGURES**

**DATE: JANUARY, 2006 TO 21ST SEPTEMBER, 2022**



**432**

**KIDNEY**



**184**

**LIVER**



**40**

**HEART**



**26**

**LUNGS**



**08**

**PANCREAS**



**334**

**CORNEA**



**04**

**HANDS**

**TOTAL 1028 ORGANS & TISSUES DONATED,**

**WHICH HAS GIVEN NEW LIFE & VISION TO 941 PERSONS  
ACROSS COUNTRY & GLOBE.**

**" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."**